ISSUE - 08

SRG HOUSING FINANCE LTD
Always with you

Newsletter

A SUCCESS STORY OF SRG

सूने जीवन में खुशियों के रंग भरें

डायरेक्टर की कलम से ....

फरवरी माह आने के साथ ही बच्चों की परीक्षाएं, रंगों का उत्सव दस्तक देता है और वित्तीय वार्षिक वर्ष के कार्य को पूरा करने का समय आ जाता है। परिवार में सभी अपने–अपने कार्यों में लग जाते हैं, महिलाएं रंगोत्सव, बच्चे पढ़ाई और पुरूष अपने व्यापार और नौकरी को लेकर योजना बनाना शुरू कर देते हैं, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी किराये के मकान में होली मनानी पड़े तो सारे रंग बेरंग लगते हैं। ऐसे परिवार जो वर्षों से किराये के मकान में अपना परिवार पाल रहे हैं उनके लिए एसआरजी हाऊसिंग फाईनेंस ने अपने घर की ओर जाने के मार्ग खोल दिये हैं, जरूरतमंदों को होम लोन देकर उनके घर खुशियाँ बांटने के लिए आज देश की बड़ी हाऊसिंग फाईनेंस कम्पनियों में एसआरजी का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है।

Induction

कर्मचारियों को कम्पनी के सिस्टम और प्रक्रियाओं को समझाने के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम जिससे स्टॉफ को कम्पनी के बारे में और एक–दूसरे को जानने का मौका मिलता है।

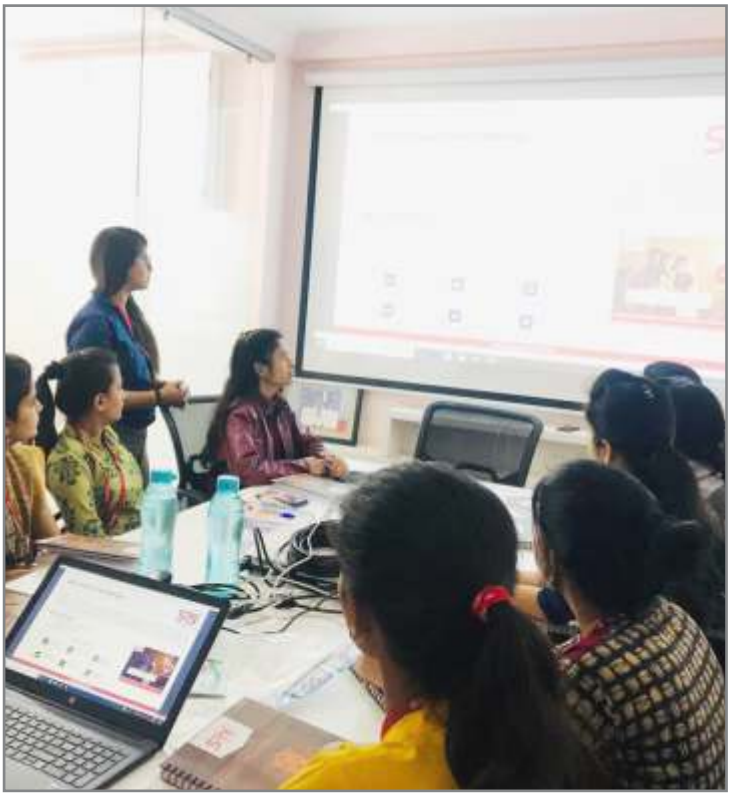

सब खोया, उम्मीद नहीं

एक समय की बात है गांव में एक छोटा और सुखी परिवार रहता था, परिवार में किसान उसकी पत्नी और दो बेटियां थी, आमदनी ज्यादा नहीं होने के कारण सिर्फ दो वक्त की रोटी का ही बंदोबस्त हो पाता था, लेकिन तंगी में भी यह परिवार एक दूसरे के साथ खुश था। आर्थिक स्थिति खराब होने पर भी जैसे–तैसे उसने अपनी बेटियों को पढ़ा कर उच्च शिक्षा भी दिलवायी, लड़कियां समझदार थी और परिवार की स्थिति भी जानती थी इसलिए वो खूब मन लगाकर पढ़ाई करती थी और अव्वल रहती।

सब कुछ ठीक चल रहा था कि एक दिन आसामान काले बादलों से घिर गया और बहुत तेज बारिश हुई, बरसात रूक ही नहीं रही थी, जिससे गांव में बाढ़ आ गयी, कच्चा मकान होने के कारण किसान और परिवार को इस बात की चिंता थी कि इतने तेज पानी में कहीं हमारा घर पानी के साथ बह ना जाये, किसान ने अपनी लड़कियों को अपने पड़ोसी के पक्के घर में भेज दिया और जैसे ही पति–पत्नी भी उस तरफ जाने लगे तो अचानक पानी का तेज बहाव आया और किसान के घर के साथ–साथ किसान और उसकी पत्नी भी उसमे बह गये और अफसोस वे नहीं बचे ।

एक तो आर्थिक स्थिति कमजोर और सिर से माता–पिता का हाथ भी उठ गया, बाढ़ में घर बह जाने से अब वे बेघर हो गयी थी, स्वाभीमानी होने के कारण रिश्तेदारों से मदद लेना उन्होंने उचित नहीं समझा, काबिलियत के दम पर दोनों लड़कियों को पास के ही एक विद्यालय में शिक्षिका की नौकरी मिल गयी, धीरे–धीरे सब कुछ ठीक होता गया, दोनों अपने वेतन से थोड़ी बचत कर रही थी ताकि खुद का घर बन सके लेकिन घर बनाने के लिए यह पर्याप्त नहीं थी।

गांव के किसी व्यक्ति ने उन्हें जमीन के बदले लोन लेकर घर बनाने का सुझाव दिया, उन्हें यह बात समझ आ गयी और उन्होंने किसी से सहायता लेने के बजाय अपनी काबिलियत पर भरोसा दिखाया और ऋण प्रदाता कम्पनी का दरवाजा घटखटाया । कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद उन्हें ऋण मिल गया, आज दोनों बहनें अपने घर में शांति, सुकून और सुरक्षित जीवन जी रही हैं। हर महीने लोन की किश्त जमा करवा कर चिंता मुक्त हैं और गांव में सभी के लिए मिसाल बन गयी हैं।

किन्हीं समस्याओं के कारण आप हिम्मत हार चूके हैं तो आपके लिए उम्मीद के दरवाजे होम लोन के रूप में खुले हुए हैं।
घर बनाने, घर खरीदने, घर की मरम्मत, घर के विस्तार के लिए होम लोन लिया जा सकता है।

करियर की उड़ान एसआरजी से शुरूआत

कहते हैं जितना छोटा कद उतनी अधिक ऊँचाई छूने की ललक.... जी हाँ हम बात कर रहे हैं एसआरजी में रिसर्च एंड रिस्क मैनेंजमेंट पर काम करने वाले असिस्टेंट मैनेजर अर्पित डागलिया की.... परिवार में सबसे छोटे, चंचल, होशियार और संवेदनशील अर्पित ने एसआरजी कम्पनी में पिछले डेढ़ साल में प्रबंधन और साथियों के बीच ऐसा स्थान बनाया है कि सभी उनकी कार्यकुशलता के कायल हैं। सीए और सीएस की पढ़ाई के साथ यहाँ मार्केट रिसर्च और रिस्क मैनेजमेंट जिसमें व्यापार को किस तरह बढ़ाया जाए, रिस्क कम हो और कम्पनी के विभागों को भी फायदा हो इसके साथ ही स्वॉट (SWOT) को ध्यान में रखकर अनेक कार्य कर रहे हैं जिससे कम्पनी को अपने कार्यक्षेत्र में विस्तार के लिए सही दिशा मिल रही है। अर्पित ने मुम्बई में पढ़ाई के दौरान पी. पारिख एण्ड एसोसिट्स और मोतीलाल ओसवाल प्रा. इक्विटी में ट्रेनिंग की जिसमें उन्हें नामी पेशेवर लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। एसआरजी के बारे में बताते हुए कहते हैं कि उनके पास मुम्बई में भी जॉब की ऑफर थे लेकिन जब वे एसआरजी के मैनेजिंग डायरेक्टर विनोद कुमार जैन से मिले तो उनका विजन देखकर काफी प्रभावित हुए। कम्पनी के डायरेक्टर का स्पष्ट लक्ष्य और दूरदर्शिता देखकर उन्होंने एसआरजी से करियर की शुरूआत करने का मन बना लिया। अर्पित का कहना है कि कम्पनी की लगातार ग्रोथ का कारण यहाँ के स्टॉफ का आपस में लाजवाब सामंजस्य है।

अर्पित डागलिया

GRAND OPENING

AT DHAR

EMPLOYEE OF THE MONTH

अपनी कार्यशैली और कम्पनी में विशेष योगदान के लिए इस माह बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले निम्न साथियों का चयन किया गया हैं।

The Best Performance Award

मार्केटिंग इवेन्ट

बिजयनगर

पालनपुर

उज्जैन

स्लोगन इवेन्ट

एसआरजी कम्पनी के बारे मे स्लोगन लिखने के लिए एचआर विभाग की ओर से एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, ''स्लोगन लिखो, कम्पनी को जानो'' प्रतियोगिता में स्टॉफ ने उत्साह से भाग लिया। सर्वश्रेष्ठ दो स्लोगन निम्न हैं –

Customer Care Department

दिल की होगी हर बात, अपने घर में, अपनों के साथ

Strategy and Planning Department

एस आर जी के साथ आपकी गृह लक्ष्मी को मिले अपना गृह निवास

मुश्किल घड़ी में एसआरजी का सहारा

कोई व्यक्ति जो छोटी सी नौकरी से परिवार का पेट पाल रहा हो, एक मेडिकल इमरजेंसी आ जाये और बहुत सारे रूपयों की जरूरत हो, तो उसके पास जीवन भर की बचत को इस्तेमाल करने के अलावा कोई उपाय नहीं होता है। ऐसा ही कुछ हुआ मेहसाना के पास छोटे से गांव गोठवा में रहने वाले मुकेश भाई के साथ। मुकेश भाई रावल का कहना है वे एक कम्पनी में छोटी सी नौकरी करते थे, एक दिन पत्नी के साथ कहीं जा रहे थे कि सामने से आ रही जीप ने उन्हें चपेट में ले लिया । एक्सीडेंट में मुझे तो कोई चोट नहीं आयी लेकिन मेरी पत्नी का एक पैर काटना पड़ गया। उस समय मानो मुझ पर पहाड़ टूट पड़ा हो। एक तरफ जेब खाली और दूसरी ओर ऑपरेशन और दवाइयों के खर्चे के बाद परिवार के भरण–पोषण की जिम्मेदारी । अभी तक जितना भी पैसा बचाया था सब दवाइयों की भेंट चढ़ गया। कई दिनों तक नौकरी पर नहीं जाने के कारण वहाँ से भी हाथ धोना पड़ा। मैं उम्मीद हार गया था, मेरे पड़ोसी ने बोला उसने व्यापार शुरू करने के लिए अपनी सम्पत्ति के बदले लोन लिया था, फिर क्या था डूबते को तिनके का सहारा मिल गया । मैंने कुछ कम्पनियों में कोशिश की लेकिन कागजी रूप से कमजोर था और नियमित आय नहीं थी ऐसे में किसी ने भी मेरी काबिलियत पर भरोसा नहीं दिखाया। बाद में मैंने एसआरजी ऑफीस में सम्पर्क किया और अपनी समस्या बतायी साथ ही आय के बारे में विवरण दिया, उन्होंने जरूरी कागजों में मेरा लोन स्वीकृत कर दिया, जिससे मैंने दो दुकानें खोली एक पर मैं बैठता हूँ और दूसरी पर मेरी पत्नी । दोनों कमा रहे हैं जिससे घर के खर्चे भी निकल रहे हैं और लोन की किश्त भी। एसआरजी ने मेरी पत्नी को आत्मनिर्भर बनाया जिससे वो सम्मान और स्वाभीमान के साथ सिर उठा कर जी रही है।

कम्पनी के साथी अपनी प्रतिभा न्यूज लेटर के माध्यम से सामने ला सकते हैं, आप अपने द्वारा क्लिक किये गये फोटो, स्वरचित कविता, कहानी, शायरी, लेख भेजें आगामी न्यूज लेटर में इसे स्थान दिया जायेगा।

Registered Office :
321, S.M. Lodha Complex,
Nr. Shastri Circle,
Udaipur (Raj.) - 313001

Corporate Office :
1046, 10th Floor, Hubtown Solaris,
N.S. Phadke Marg, Near East West Flyover,
Andheri (E), Mumbai

Phone : 0294-2561882, 2412609
E-mail : info@srghousing.com
Web : www.srghousing.com

TOLL FREE NO : 1800 1212 399